भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या1626

जिसका उत्तर 13 दिसंबर,2023 को दिया जाना है।

22 अग्रहायण, 1945 (शक)

सेमीकंडक्टर उद्योग की कार्ययोजना

1626. श्री वी.के. श्रीकंदनः

श्री एस. जगतरक्षकनः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी औरसूचना प्रौद्योगिकी मंत्रीयह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग के लिए एक व्यापक रोड मैप स्थान निर्धारण योजना हेतु नीतिगत सुधार किए हैं और भागीदार देशों के साथ कार्य कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार देश में स्तरीय संयंत्र और आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क स्थापित करने हेतु अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने का प्रयास कर रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या प्रमुख सेमीकंडक्टर निर्माताओं ने अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए भारत में स्थानों की पहचान की है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) से (ङ): भारत सरकार का लक्ष्य देश के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकोसिस्टम को व्यापक और सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिकी वैश्विक मूल्य श्रृंखला (जीवीसी) में भारत की भागीदारी बढ़ाना है। सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ("एमईआईटीवाई") ने उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन योजनाओं (पीएलआई एलएसईएम और पीएलआई आईटी हार्डवेयर); इलेक्ट्रॉनिक संघटक और सेमिकंडक्टर विनिर्माण संवर्धन योजना (स्पेक्स); और संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर 2.0 (ईएमसी 2.0) को अधिसूचित किया है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर्सऔर डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम विकास के लिए भी एक कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसमें सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब्स की स्थापना के लिए योजना, कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स/सिलिकॉनफोटोनिक्स/सेंसरफैब/डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर्स फैब की स्थापना और सेमीकंडक्टर असेंबली, परीक्षण, अंकन और पैकेजिंग (एटीएमपी)/ओएसएटी के लिए योजना और डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं। इन उपायों के परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का घरेलू उत्पादन 2014-15 में 180,454 करोड़ रुपये (29.8 बिलियन अमरीकी डालर) से बढ़कर 2022-23 में 8,22,350 करोड़ रुपये (102 बिलियन अमरीकी डालर) हो गया है। इसके अलावा, सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत पहली सेमीकंडक्टर इकाई का निर्माण साणंद, गुजरात में शुरूहो गया है। एक प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनी ने बेंगलुरु में अपना सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर डिजाइन सेंटर शुरू किया है। एक अन्य प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनी ने सेमीकंडक्टरप्रौद्योगिकियों में प्रवीण इंजीनियरों के एक बड़े पूल को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय विज्ञान संस्थान के साथ सहयोग किया है।

*****